

张永芳 李 欣 王 虹 编著

古代情诗三百首



辽宁大学出版社



古代爱情诗歌系列

古代情诗三百首

张永芳 李 欣 王 虹 编著

辽宁大学出版社
一九九七年·沈阳

图书在版编目 (CIP) 数据

古代情诗三百首/张永芳等编著. 沈阳:辽宁大学出版社,
1997.7

(古代爱情诗歌系列)

ISBN 7-5610-3358-3

I. 古… II. 张… III. ①古体诗-中国-古代-选集
IV. I222.7

中国版本图书馆 CIP 数据核字 (96) 第 22244 号

辽宁大学出版社出版

(沈阳市皇姑区崇山中路 66 号 邮政编码 110036)

朝阳新华印刷厂印刷

新华书店经销

开本: 787×1092 毫米 1/32 字数: 200 千字 印张: 10 插页: 1

印数: 1—5000

1997 年 7 月第 1 版

1997 年 7 月第 1 次印刷

责任编辑: 李 实 路 明 责任校对: 何 力

封面设计: 刘桂湘

版式设计: 马素青

ISBN 7-5610-3358-3/I·363 全四册定价: 39.00 元

本 册定价: 12.40 元

前　　言

诗歌，是感情的升华；爱情，是感情的花朵。哪里有爱情，哪里就有诗歌；哪里有诗歌作品，哪里也就有爱情篇章。丰富多采的爱情生活，孕育出缠绵动人的爱情诗歌；缠绵动人的爱情诗歌，呈现出丰富多采的爱情世界。爱情诗，不仅是各民族文化中最丰厚、最珍贵的文化遗产，也是全人类共有的永恒的歌咏题材。

我国是历史悠久的文明古国，也是著名的诗的国度，华夏各族的爱情诗也源远流长，瑰丽丰富，蔚为诗坛圣苑、艺海奇葩。锦章佳什，代不绝咏；长吟短唱，美不胜收。《古代爱情诗歌系列丛书》，收集了上古至清末历代爱情诗歌中的精华，展现出历代先民的绮情幽趣，呈示出爱情诗苑的文采风流。

《古代情诗三百首》是这套丛书中的第一卷，以署名创作的诗作为采收范围，其入选标准为：一是要有明确的作者，以便与无名氏的民歌相区别，文人拟作的民歌体诗作则酌收入卷；二是体式不拘，齐言杂言，长篇短制，均兼收并蓄，但词与曲不收，另外编集；三是以抒情短章为主，酌收少量著名长诗，但篇幅过大者虽脍炙人口，如《春江花月夜》、《长恨歌》、《圆圆曲》等也只得割爱。

另有一点要说明的是，本书是在《彩图情诗三百首》的基础上增补修订而成的，原撰文者有王小宁、王继范、朱明

伦、毕宝魁、李文禄、许科甲、初旭、张永芳、谢学芳等同志。他们之中有一部分人参加了本书及丛书其他卷的修订工作，有些人虽未参与修订，其劳动成果也已被本书吸收，特此致谢，并已征得他们的同意。任何文化成果，从根本上说都是集体智慧的结晶，都是众人协作劳动的产物，都应予以珍惜。

限于编撰修订者的水平和精力，本书定有不足与疏漏，恳请广大读者批评指正。

编 者

1996年10月

目 录

司马相如

 琴歌二首（选一） (1)

卓文君

 白头吟 (2)

苏 武

 结发为夫妻 (3)

班婕妤

 怨歌行 (4)

张 衡

 四愁诗（其一） (5)

秦 嘉

 赠妇诗三首（选一） (6)

徐 淑

 答秦嘉诗 (7)

曹 禹

 燕歌行 (8)

 秋胡行二首（选一） (9)

 寡妇诗 (10)

曹 植

 杂诗七首（选一） (12)

 七哀诗 (13)

| | |
|------------|------------|
| 陈 琳 | |
| 饮马长城窟行 | (15) |
| 徐 幹 | |
| 室 思 | (17) |
| 阮籍 | |
| 咏怀诗 (选一) | (20) |
| 傅 玄 | |
| 车遥遥 | (21) |
| 短歌行 | (21) |
| 艳歌行 | (22) |
| 张 华 | |
| 情诗五首 (其三) | (24) |
| 潘 岳 | |
| 内顾诗 (选一) | (25) |
| 陆 机 | |
| 拟青青河畔草 | (26) |
| 张 协 | |
| 杂诗十首 (选一) | (27) |
| 李 充 | |
| 七月七日诗 | (28) |
| 杨 方 | |
| 合欢诗五首 (其一) | (29) |
| 合欢诗五首 (其三) | (30) |
| 刘妙容 | |
| 宛转歌二首 (选一) | (31) |
| 谢惠连 | |
| 代古诗 | (32) |

| | | |
|-----|------------------|------|
| 王微 | 捣衣诗 | (32) |
| 颜延之 | 杂诗二首(选一) | (34) |
| 汤惠休 | 秋胡行(选一) | (35) |
| 鲍照 | 怨诗行 | (36) |
| | 杨花曲三首(选一) | (37) |
| | 白纻歌三首(选一) | (37) |
| | 秋思引 | (38) |
| 鲍令晖 | 采菱歌七首(选一) | (39) |
| | 中兴歌十首(选二) | (39) |
| | 代鸣雁行 | (40) |
| | 代夜坐吟 | (41) |
| | 古辞 | (42) |
| | 拟古八首(其七) | (42) |
| | 拟行路难(其八) | (43) |
| | 梦归乡 | (44) |
| 吴迈远 | 拟青青河畔草诗 | (46) |
| | 代葛沙门妻郭小玉作诗二首(选一) | (46) |
| 王融 | 飞来双白鹄 | (48) |
| | 长别离 | (49) |
| | 秋风曲 | (49) |

| | | |
|------------|-------|------|
| 有所思 | | (51) |
| 芳树 | | (52) |
| 古意诗二首（选一） | | (52) |
| 张 融 | | |
| 别诗 | | (54) |
| 谢 谧 | | |
| 玉阶怨 | | (55) |
| 王孙游 | | (55) |
| 秋夜诗 | | (56) |
| 刘 珍 | | |
| 有所思 | | (58) |
| 释宝月 | | |
| 行路难 | | (59) |
| 萧 衍 | | |
| 有所思 | | (60) |
| 河中之水歌 | | (60) |
| 织妇诗 | | (61) |
| 边戍诗 | | (62) |
| 高 爽 | | |
| 咏镜诗 | | (64) |
| 范 云 | | |
| 送别诗 | | (65) |
| 闺思诗 | | (65) |
| 别诗 | | (66) |
| 江 淹 | | |
| 古离别 | | (68) |
| 悼室人诗十首（选一） | | (69) |

| | |
|------------|------|
| 虞 義 | |
| 自君之出矣 | (70) |
| 沈 约 | |
| 梦见美人诗 | (71) |
| 悼亡诗 | (72) |
| 六忆诗四首 (选一) | (72) |
| 何 逊 | |
| 苑中见美人诗 | (74) |
| 吴 均 | |
| 闺怨诗 | (75) |
| 去妾赠前夫诗 | (75) |
| 王僧孺 | |
| 春思诗 | (77) |
| 张 率 | |
| 长相思二首 | (78) |
| 萧 统 | |
| 长相思 | (79) |
| 徐 勉 | |
| 采菱曲 | (80) |
| 陶弘景 | |
| 寒夜怨 | (81) |
| 萧子显 | |
| 春闺思诗 | (82) |
| 萧 纲 | |
| 折杨柳 | (83) |
| 采莲曲二首 (选一) | (83) |
| 徐君蒨 | |

| | |
|-------------|------|
| 共内人夜坐守岁诗 | (85) |
| 姚 翻 | |
| 有期不至诗 | (86) |
| 王 淑 | |
| 赠情人诗 | (87) |
| 王金珠 | |
| 欢闻变歌 | (88) |
| 温子昇 | |
| 捣衣诗 | (89) |
| 庾 信 | |
| 代人伤往诗二首（选一） | (90) |
| 张正见 | |
| 有所思 | (91) |
| 陈叔宝 | |
| 长相思二首 | (92) |
| 徐 陵 | |
| 关山月二首（选一） | (93) |
| 江 总 | |
| 闺怨篇 | (94) |
| 薛道衡 | |
| 昔昔盐 | (95) |
| 李月素 | |
| 赠情人诗 | (96) |
| 苏蝉翼 | |
| 因故人归作诗 | (97) |
| 张碧兰 | |
| 寄阮郎诗 | (98) |

陈叔达

- 自君之出矣 (99)

张九龄

- 自君之出矣 (100)

- 望月怀远 (100)

- 折杨柳 (101)

杨 焰

- 折杨柳 (102)

- 梅花落 (103)

- 有所思 (104)

宋之问

- 江南曲 (105)

王 勃

- 秋夜长 (106)

- 山扉夜坐 (107)

- 采莲曲 (107)

刘允济

- 怨 情 (109)

崔 融

- 塞上寄内 (110)

苏 颀

- 山鹧鸪词二首 (111)

- 长相思 (112)

徐彦伯

- 闺 怨 (113)

骆宾王

- 忆蜀地佳人 (114)

| | | |
|-------|-------|-------|
| 沈佺期 | | |
| 杂诗 | | (115) |
| 古意 | | (115) |
| 郑遂初 | | |
| 别离怨 | | (117) |
| 张 绚 | | |
| 闺怨 | | (118) |
| 郑 憎 | | |
| 秋闺 | | (119) |
| 李元纮 | | |
| 相思怨 | | (120) |
| 沈如筠 | | |
| 闺怨 | | (121) |
| 万 楚 | | |
| 河上逢落花 | | (122) |
| 崔国辅 | | |
| 小长干曲 | | (123) |
| 王 维 | | |
| 相思子 | | (124) |
| 息夫人 | | (124) |
| 伊州歌 | | (125) |
| 崔 颀 | | |
| 长干曲 | | (126) |
| 储光羲 | | |
| 钓鱼湾 | | (127) |
| 王昌龄 | | |
| 青楼曲二首 | | (128) |

| | | |
|------------|-------|-------|
| 闺 怨 | | (129) |
| 孟浩然 | | |
| 闺 情 | | (130) |
| 李白 | | |
| 长干行 | | (131) |
| 春 思 | | (132) |
| 春 怨 | | (133) |
| 子夜吴歌（其三） | | (133) |
| 子夜吴歌（其四） | | (134) |
| 鸟夜啼 | | (134) |
| 北风行 | | (135) |
| 岑参 | | |
| 春 梦 | | (137) |
| 杜甫 | | |
| 月 夜 | | (138) |
| 琴 台 | | (139) |
| 新婚别 | | (139) |
| 佳 人 | | (141) |
| 刘方平 | | |
| 春 怨 | | (143) |
| 天宝宫人 | | |
| 又题洛苑梧叶上 | | (144) |
| 晁采 | | |
| 子夜歌十八首（其一） | | (145) |
| 雨中忆夫（其二） | | (145) |
| 窦巩 | | |
| 少妇词 | | (147) |

戴叔伦

- 新别离 (148)

李 益

- 写 情 (149)

- 江南曲 (149)

李 端

- 闺 情 (151)

王 建

- 望夫石 (152)

薛 涛

- 秋 泉 (153)

于 鹤

- 江南曲 (154)

权德舆

- 玉台体十二首 (选一) (155)

韩 愈

- 青青水中蒲三首 (156)

王 涯

- 秋思赠远二首 (157)

刘禹锡

- 淮阴行五首 (选一) (158)

- 杨柳枝 (158)

- 竹枝词二首 (选一) (159)

张仲素

- 春闺思 (161)

- 秋夜曲 (161)

崔 护

| | | |
|-----------|-------|-------|
| 题城南庄 | | (163) |
| 孟 郊 | | |
| 征妇吟 (选一) | | (164) |
| 古别离 | | (164) |
| 怨诗 | | (165) |
| 张 翡 | | |
| 节妇吟 | | (167) |
| 李 贺 | | |
| 七 夕 | | (169) |
| 三月过行宫 | | (170) |
| 元 穰 | | |
| 离思五首 (其四) | | (171) |
| 遣悲怀三首 | | (172) |
| 白居易 | | |
| 思妇眉 | | (174) |
| 望驿台 | | (174) |
| 寒闺怨 | | (175) |
| 赠 内 | | (176) |
| 雍裕之 | | |
| 江边柳 | | (177) |
| 刘 皂 | | |
| 长门怨 (选一) | | (178) |
| 徐 凝 | | |
| 忆扬州 | | (179) |
| 施肩吾 | | |
| 杂古词 (选一) | | (180) |
| 望夫词 | | (181) |

| | |
|-----------|-------------|
| 崔 郊 | |
| 赠 婢 | (182) |
| 张 祜 | |
| 莫愁乐 | (183) |
| 读曲歌 (选一) | (184) |
| 朱庆余 | |
| 闺意献张水部 | (185) |
| 卢 储 | |
| 迎内子题庭花 | (186) |
| 雍 陶 | |
| 明月照高楼 | (187) |
| 杜 牧 | |
| 赠别二首 (其一) | (188) |
| 赠别二首 (其二) | (189) |
| 李商隐 | |
| 无 题 | (190) |
| 无题二首 (其一) | (191) |
| 无题四首 (其一) | (192) |
| 无题四首 (其二) | (193) |
| 刘得仁 | |
| 贾妇怨 | (194) |
| 温庭筠 | |
| 瑶瑟怨 | (195) |
| 刘 驾 | |
| 弃 妇 | (196) |
| 罗 邶 | |
| 秋 怨 | (197) |